श्री भैरव सिद्ध स्तोत्र

Shri Bhairav Stotra

जिनके नेत्र निर्मल कमलके समान सुन्दर हैं, जिन्होंने मस्तक पर चन्द्रमाका मनोहर मुकुट धारण कर रखा है, जो सब गुणोंसे श्रेष्ठ हैं, सबके संतापका निवारण करते हैं तथा डाकिनीयोंके नाशके हेतु हैं, हे मन! मनुष्योंके लिये कल्याणस्वरूप उन भगवान् भूतनाथ भैरवका भजन कर। जो संसार भयका

निवारण करने वाले, दुष्ट योगिनियोंके लिये भयंकर और समस्त देवताओंके स्वामी हैं, सुन्दर चन्द्रमा और सूर्य जिनके नेत्र हैं, जिन्होंने अपने मस्तक पर मुकुट और गलेमें मोतियोंकी माला धारण कर रखी है तथा जो मनुष्यमात्रके लिये कल्याणस्वरूप हैं, उन विशालकाय भगवान् भूतनाथ भैरवका हे मन! तू भजन कर। जो देखनेमें सुन्दर, बोलनेमें मनोहर, प्रियजनोंमें सर्वाधिक सुन्दर और यश, कीर्ति तथा तपस्याके द्वारा भी अत्यन्त मनोहर हैं, उन भगवान् भूतनाथ भैरवकी मैं शरण लेता हूं। जो आदिदेव सनातन ब्रह्म पवित्रतामें तत्पर सिद्धिदाता मनोरथपूरक भक्तिसे सेवन करने योग्य, देवताओंमें श्रेष्ठ, भक्तियुक्त, सर्वथा योग्य, योग विचारमें तत्पर, युगको धारण करने वाले, दर्शन योग्य मुखवाले, योगी, कलायुक्त, कलंकरहित तथा सत्पुरुषों द्वारा सेवित हैं, उन भगवान् भैरवको मैं प्रणाम करता हूं।

जो मनुष्य गुरु आज्ञासे दोनों समय इस पवित्र भैरव स्तोत्रका पाठ करता है, उसके दुःस्वप्नोंका नाश तथा मनोवांछित फल की सिद्धि होती है। साधक के मनमें भक्ति का उदय तथा साधना में स्थिरता एवं सफलता प्राप्त होती है।

Gurudev Raj Verma

Mob- +91-9897507933 +91-7500292413

Website- mahakalshakti.wordpress.com

Website- www.scribd.com/mahakalshakti

Email- mahakalshakti@gmail.com